

श्रसाध।रण

EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3---उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित



PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 398]

मई विस्त्रो, सोमवार, सितम्बर 29, 1975/फ्राव्यिन 7, 1897

No. 398]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 29, 1975/ASVINA 7, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ट संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES (Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 29th September 1975

S. O. 552(E)/18E/IDRA/75.—Whereas the Central Government by its Order of the Government of India in the late Ministry of Irdustrial Development No. S.O. 13(E) dated the 3rd January, 1974, issued under clause (b) of sub-section(1) of section 18A of the Irdustries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) authorised the Board of Management specified in that Order to take over the management of the Bombay unit of Messrs Hind Cycles Limited, Bombay (hereinafter referred to as the industrial undertaking), for the period specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18E of the said Act, the Central Government hereby specifies in the Schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the said Order.

THE SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956

Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking

(1)

(2)

Section 291(1)

Provisions of this section shall not apply to the industrial undertaking.

Section 293(1)(d)

Do.

[No. F. 2/38/74-CUC] D. K. SAXENA, Jt. Secy.

उद्योग ग्रीर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (ग्रीग्रोगिक विकास विभाग)

ग्रादेश.

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1975

कां० झा० 552 (झ)/18 इन्हें० वि० घ०/75.—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियम) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन जारी किए गए, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के श्रादेश संख्या का० आ० 13(झ), तारीख 3 जनवरी, 1974 के अपने आदेश द्वारा उस आदेश में विनिर्दिष्ट प्रवन्ध बोर्ड को मैंसर्स हिन्द साइकिल लिभिटेड मुम्बई (जिसे इसमें इसके पश्चात् औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) के मुम्बई एकफ का प्रबन्ध उसमें विनिर्दिष्ट अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया है;

श्रतः स्रव, केन्द्रीय सरकार, उक्त स्रधिनियम की धारा 18ड की उपधारा (2) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस से उपाबद्ध अनुसूची में उन श्रपधादों, निर्वत्धनों, भौर सीमाभ्रों को विनिर्विष्ट करती है, जिनके श्रधीन रहते हुए, कम्पनी श्रधिनियम, 1956 (1956 का 1) श्रौद्योगिक उपक्रम को उसी रीति से लागू होगा जैने यह उक्त श्रावेश के जारी करने से पूर्व उसे लागू होता था।

भन् मूची कम्पनी प्रधिनियम, 1956 के उपबन्ध वे प्रप्रवाद, निर्बन्धन श्रौर सीमाएं जिनके श्रधीन रहते हुए स्तम्भ (।) में उिल्लाखित उपबन्ध उपक्रम को लग्गू होगें। (1) (2) धारा 291 (1) इस धारा के उपबन्ध श्रौद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे: धारा 293 (1) (ध) -यथोक्त-

[सं० फा० 2/38/74-सीयूसी] डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचित्र ।